International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 8 Issue 5, May 2018,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

वर्तमान परिदृश्य में उभरते भारत–रूस संबंध

दिनेश कुमार (सहायक प्राध्यापक)
रक्षा अध्ययन विभाग,
प0 चिरन्जी लाल शर्मा, राजकीय महाविद्यालय, करनाल

रूस के साथ संबंध भारत की विदेश नीति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और रूस भारत का दीर्घकाल से समय की कसौटी पर खरा उतरा भागीदार देश है। अक्तूबर 2000 में "भारत-रूस कूटनीतिक भागीदारी संबंधी घोषणा" पर (रूस के राष्ट्रपति महामहिम ब्लादीमिर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान) हस्ताक्षर किए जाने के बाद से भारत-रूस संबंधों में गुणवत्ता की दृष्टि से नई विशेषता आ गई है जिनमें द्विपक्षीय संबंधों के लगभग सभी क्षेत्रों में सहयोग का स्तर बढ़ गया है जिनमें राजनीति, सुरक्षा, व्यापार एवं अर्थव्यवस्था, रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और संस्कृति शामिल हैं। कूटनीतिक भागीदारी के अंतर्गत, सहयोग संबंधी गतिविधियों पर नियमित बातचीत एवं अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राजनैतिक एवं आधिकारिक दोनों स्तरों पर विभिन्न संस्थागत संवाद कार्यतंत्र काम कर रहे हैं। दिसंबर 2010 में रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान, कूटनीतिक भागीदारी को "विशेष एवं अधिकारप्राप्त कूटनीतिक भागीदारी" के स्तर पर पहुंचा दिया गया।

राजनीतिक संबंध

दिसंबर 2010 में रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान, कूटनीतिक भागीदारी को "विशेष एवं अधिकारप्राप्त कूटनीतिक भागीदारी" के स्तर पर पहुंचा दिया गया। अब तक बारी बारी से भारत और रूस में 16 वार्षिक शिखर बैठकें हो चुकी हैं जिनमें से 16वीं वार्षिक शिखर बैठक 23 और 24 दिसंबर 2014 को मास्को में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की रूस यात्रा के दौरान में हुई थी। इस शिखर बैठक के दौरान 17 दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए गए जिसमें परमाणु ऊर्जा, रक्षा, हाइड्रोकार्बन, सेटलाइट नेवीगेशन, रेलवे, सौर ऊर्जा, भारी इंजीनियरिंग, सुपर कंप्यूटिंग, वीजा सरलीकरण, आयुर्वेद एवं मीडिया में सहयोग जैसे क्षेत्र शामिल थे। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति पुतिन द्वारा एक संयुक्त वक्तव्य "साझा विश्वास, नए क्षितिज" भी अपनाया गया। दिसंबर 2015 में वार्षिक शिखर बैठक के अलावा हमारे प्रधानमंत्री ने 8 जुलाई 2015 को उफा, रूस में 7वीं ब्रिक्स शिखर बैठक तथा एस सी ओ शिखर बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में भी रूस के राष्ट्रपति के साथ बैठक की। भारतीय राष्ट्रपति ने 9 मई, 2015 को मास्को में द्वितीय विश्व युद्ध में विजय की 70वीं वर्षगांठ के संस्मारक समारोह में भाग लिया तथा अतिरिक्त समय में राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर नियमित रूप से बातचीत होती रहती है। दो अंतर-सरकारी आयोगों की वार्षिक बैठकें होती हैं जिनमें से एक व्यापारिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय एवं सांस्कृतिक सहयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) से संबंधित है, जिसकी सह-अध्यक्षता विदेश मंत्री और रूसी उप प्रधान मंत्री द्वारा की जाती है, और दूसरा सैन्य तकनीकी सहयोग (आईआरआईजीसी-एमटीसी) से संबंधित, जिसकी सह-अध्यक्षता रूसी और भारतीय रक्षा मंत्री द्वारा की जाती है। विदेश मंत्री ने 20 अक्तूबर 2015 को आई आर आई जी सी - टी ई सी की 21वीं बैठक की सह अध्यक्षता करने के लिए मास्को का दौरा किया तथा रूस के अपने समकक्ष से भी मुलाकात की। भारत और रूस के विदेश मंत्री 2015 में इससे पहले दो बार मिल चुके हैं, 2 फरवरी 2015 को बीजिंग में रूस - भारत - चीन (आर आई सी) विदेश मंत्री बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में और सितंबर 2015 में न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 70वें सत्र के दौरान ब्रिक्स विदेश मंत्री बैठक में। विदेश सचिव ने 19 अक्तूबर 2015 को मास्को का दौरा किया तथा रूस के प्रथम उप विदेश मंत्री ब्लादिमीर टिटोव तथा उप विदेश मंत्री इगोर मोर्गुलोव के साथ विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) का आयोजन किया। उप प्रधानमंत्री रोगोजिन ने 8 दिसंबर 2015 को भारत का दौरा किया तथा इस यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से मुलाकात की।

भारत - रूस अंतर संसदीय आयोग की तीसरी बैठक की लोक सभा अध्यक्ष के साथ सह अध्यक्षता करने के लिए राज्य डुमा (रूसी संसद का निचला सदन) के अध्यक्ष ने फरवरी, 2015 में भारत का दौरा किया। उन्होंने भारत के राष्ट्रपति एवं उप राष्ट्रपति से भी मुलाकात की। मार्च 2015 में, रूस के दूरसंचार एवं जन संचार मंत्री श्री निकोलाय निकिफोरोव ने दिल्ली का दौरा किया जहां उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री तथा

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 8 Issue 5, May 2018,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री से मुलाकात की। अप्रैल 2015 में, भारत के रक्षा राज्य मंत्री ने मास्को का दौरा किया तथा अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पर चौथे मास्को सम्मेलन में भाग लिया और रक्षा रक्षा उद्योग सहयोग पर एसोचैम - सबेरबैंक सम्मेलन को संबोधित भी किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश तथा विधि एवं न्याय मंत्री ने मई, 2015 में सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय विधि मंच में भाग लिया। जून 2015 में, 15वें सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच (एस पी ई आई एफ) में भाग लेने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने सेंट पीटर्सबर्ग का दौरा किया तथा उन्होंने रूस के व्यापार एवं उद्योग मंत्री श्री डेनिस मेन्तुरोव से मुलाकात भी की। सितंबर 2015 में रूस के आंतरिक मंत्री श्री ब्लादिमीर कोलोकोल्त्सेव ने भारत का दौरा किया तथा हमारे गृह मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

रूस ने अप्रैल 2015 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण की तथा तब से यह ब्रिक्स फार्मेट के तहत अनेक कार्यक्रमों एवं बैठकों का आयोजन कर रहा है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने 21 अप्रैल, 2015 को ब्रिक्स पर्यावरण मंत्री बैठक के लिए मास्को का दौरा किया, सचिव (पूर्व) ने 22 मई, 2015 को मास्को में मध्य पूर्व तथा उत्तरी अफ्रीका पर ब्रिक्स परामर्श में भाग लिया, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने 25 एवं 26 मई, 2015 को सुरक्षा समस्याओं के लिए ब्रिक्स के उच्च प्रतिनिधियों की 5वीं बैठक में भाग लेने के लिए मास्को का दौरा किया तथा विदेश मामले पर संसदीय स्थाई समिति के अध्यक्ष ने 8 जून, 2015 को मास्को में ब्रिक्स संसदीय मंच में भाग लिया। वित्त मंत्री ने 7 जुलाई को मास्को में ब्रिक्स विदेश मंत्री बैठक में भाग लिया और उफा में ब्रिक्स शिखर बैठक में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने 8 और 9 जुलाई को उफा, रूस में 7वीं ब्रिक्स शिखर बैठक में भाग लिया तथा एस सी ओ के पूर्ण सत्र में भी भाग लिया जहां इस संगठन में भारत की सदस्यता की प्रक्रिया शुरू करने पर निर्णय लिया गया। अक्टूबर 2015 में ब्रिक्स के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भारत के गृह राज्य मंत्री एवं कृषि मंत्री तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री ने रूस का दौरा किया, जबकि विदेश मंत्री ने आई आर आई जी सी - टी ई सी सत्र की सह अध्यक्षता करने के लिए 20 अक्टूबर को मास्को की अपनी यात्रा के दौरान ब्रिक्स औद्योगिक मंत्री बैठक में भाग लिया।

रक्षा सहयोग :

रक्षा क्षेत्र में रूस के साथ भारत के संबंध दीर्घकालिक और व्यापक सहयोग वाले रहे हैं। भारत-रूस सैन्य तकनीकी सहयोग एक साधारण क्रेता-विक्रेता फ्रेमवर्क से आगे बढ़ कर एक ऐसा फ्रेमवर्क बन गया है जिसमें उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों का संयुक्त अनुसंधान, विकास और उत्पादन का काम शामिल है। ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और मल्टी ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की संयुक्त डिजाइन एवं विकास और एसयू-30 विमान और टी-90 टैंकों का लाइसेंसयुक्त उत्पादन ऐसे बड़े सहयोग के उदाहरण हैं। जून, 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रूस द्वारा निर्मित विमान वाहक जहाज आई एन एस विक्रमादित्य को गोवा के तट पर एक विशेष समारोह में राष्ट्र को समर्पित किया। दोनों देश अपने सशस्त्र बलों के बीच वार्षिक रूप से आदान-प्रदान एवं प्रशिक्षण अभ्यास भी आयोजित करते हैं। एक भारतीय टुकड़ी ने द्वितीय विश्व युद्ध में विजय की 70वीं वर्षगांठ के दौरान 9 मई, 2015 को मास्को में सैनिक परेड में हिस्सा लिया।

दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की सह अध्यक्षता में सैन्य तकनीकी सहयोग पर अंतर्सरकारी आयोग (आई आर आई जी सी – एम टी सी) तथा दोनों देशें बीच इसके कार्य समूहों एवं उप समूहों की रक्षा सहयोग समीक्षा। भारत के रक्षा मंत्री ने चल रहे सहयोग की समीक्षा करने तथा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए भावी अवसरों पर विचार करने के लिए 2 नवंबर 2015 को रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई सोगू के साथ आयोग की 15वीं बैठक की सह अध्यक्षता करने के लिए मास्को का दौरा किया। दिसंबर 2014 में, दोनों देशों की सरकारों ने रूसी परिसंघ के रक्षा मंत्रालय के सैन्य शिक्षा प्रतिष्ठानों में भारत के सहस्त्र बलों के कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिए करार पर हस्ताक्षर किए। 24 दिसंबर 2015 को वार्षिक शिखर बैठक में भारत में का-226 हेलीकाप्टर के विनिर्माण के लिए दोनों देशों की सरकारों के बीच करार पर हस्ताक्षर किए गए जो मेक इन इंडिया पहल के तहत पहली बड़ी रक्षा परियोजना है।

आर्थिक संबंध

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 8 Issue 5, May 2018,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भारत और रूस के बीच आर्थिक साझेदारी को सामरिक साझेदारी के अन्य स्तंभों के रूप में एक मजबूत स्तंभ बनाना दोनों देशो सरकारों की मुख्य प्राथमिकता है। कारोबारियों के अबाध एवं अधिक आवागमन को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों देशों ने कारोबारियों तथा संघों के प्रतिनिधियों के लिए बीजा प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए 24 दिसंबर 2015 को एक प्रोटोकाल पर हस्ताक्षर किया है।

दिसंबर 2014 में भारत और रूस के नेताओं ने वर्ष 2025 तक 30 बिलियन यूएस डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य तय किया है। वर्ष 2014 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 9.51 बिलियन अमरीकी डालर था जिसमें भारत के निर्यात का मूल्य 3.17 बिलियन अमरीकी डालर था (जो वर्ष 2013 की तुलना में 2.6 प्रतिशत अधिक है) तथा रूस से आयात का मूल्य का 6.34 बिलियन अमरिकी डालर था (जो वर्ष 2013 की तुलना में 9.2 प्रतिशत कम है)। भारत से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में भेषज पदार्थ, विविध विनिर्माण, लौह एवं इस्पात, परिधान, चाय, कॉफी और तम्बाकू शामिल हैं। रूस से आयात की जाने वाली मुख्य वस्तुओं में रक्षा एवं परमाणु ऊर्जा उपकरण, उर्वरक, बिजली की मशीनरी, स्टील और हीरे शामिल हैं।

रूस में भारतीय निवेश लगभग 8 बिलियन यूएस डॉलर होने का अनुमान है जिनमें इंपीरियल इनर्जी टॉम्स्क; सखालीन आई; वोल्झस्की अब्रेसिव वर्क्स वोलगोग्राड; और कमर्शियल इंडो बैंक शामिल हैं। भारत में लगभग 3 बिलियन यूएस डॉलर के रूसी निवेश में होसुर में कमाज वेक्ट्रा; श्याम सिस्टमा टेलीकॉम लिमिटेड, एसबरबैंक और वीटीबी शामिल हैं।

आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय एवं सांस्कृतिक सहयोग संबंधी अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-टीईसी) आर्थिक सहयोग की समीक्षा करने वाला सर्वोच्च जी-टू-जी मंच है। यह व्यापार एवं आर्थिक सहयोग, प्राथमिकता वाले निवेशों, आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग (नागर विमान, खनन, उर्वरक और आधुनिकीकरण संबंधी उप समूहों), बकाया मुद्दों, ऊर्जा एवं ऊर्जा कार्यकुशलता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन तथा संस्कृति, और बैंकिंग तथा वित्तीय मामलों एवं बाघ एवं तेंदुआ संरक्षण संबंधी मामलों के उप समूहों के तहत क्षेत्रीय सहयोग की समीक्षा करता है। व्यापारिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय एवं सांस्कृतिक सहयोग संबंधी अंतर-सरकारी आयोग का 21वां सत्र 20 अक्टूबर 2015 को मास्को में आयोजित किया गया था।

भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री तथा रूस के आर्थिक विकास मंत्री की सह-अध्यक्षता वाला भारत-रूस व्यापार एवं निवेश मंच और भारत-रूस सीईओ काउंसिल भारत और रूस के बीच प्रत्यक्ष परस्पर द्विपक्षीय व्यापारिक संपर्कों को बढ़ावा देने वाले दो प्राथमिक कार्यतंत्र हैं। भारत-रूस व्यावसायिक परिषद (भारत के फिक्की और रूस के सीसीआई के बीच भागीदारी), भारत-रूस व्यावसायिक संवाद (भारत के सीआईआई और रूस के बिजनेस काउंसिल फॉर को-ऑपरेशन विद इंडिया के बीच भागीदारी) और भारत-रूस चैम्बर ऑफ कॉमर्स (एसएमई पर विशेष ध्यान के लिए) जैसे कार्यतंत्र प्रत्यक्ष व्यवसाय से व्यवसाय संबंधों को बढ़ाने के प्रयासों को सम्पूरित करते हैं। व्यापार एवं निवेश पर 8वें भारत – रूस मंच का आयोजन 5 नवंबर, 2014 को नई दिल्ली में किया गया था। जून 2015 में, 15वें सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच (एस पी आई ई एफ) के दौरान भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईए ई यू) द्वारा भारत और यूरेशियाई आर्थिक संघ के बीच मुक्त व्यापार करार के लिए संयुक्त संभाव्यता अध्ययन संचालित करने के लिए एक संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किया गया।

हाइड्रो कार्बन दोनों देशों के बीच सहयोग की पड़ताल करने के लिए एक सक्रिय क्षेत्र है। मई 2014 में, ओ एन जी सी तथा रोसनेफ्ट ने रूस के आर्कटिक के तटवर्ती क्षेत्र में सरफेस सर्वेक्षण, खोज, मूल्यांकन और हाइड्रो कार्बन उत्पादन में द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। जून 2014 में, एक रूसी कंपनी गाजप्रोम इंटरनेशनल ने तेल और गैस के क्षेत्र में सहयोग के लिए ऑइल इंडिया लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हसताक्षर किए हैं जिसमें तेल क्षेत्रों की संयुक्त खोज और, प्रशिक्षण, विकास तथा जानकारी का आदान-प्रदान शामिल

संस्थागत कार्यतंत्र हैं, जबकि दोनों देशों की विज्ञान अकादमियां अंतर-अकादमी आदान-प्रदान को बढ़ावा देती हैं। 25 साल की लंबी कार्यान्वयन अवधि के दौरान आई एल टी पी ने भारत एवं रूस में 500 से अधिक संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के संचालन तथा 9 विषयपरक केंद्रों की स्थापना में सहायता प्रदान की जिनसे 1500 से अधिक संयुक्त प्रकाशनों तथा 10000 से अधिक वैज्ञानिक करारों के विकास के अलावा अनेक नए उत्पादों, प्रक्रियाओं, सुविधाओं एवं अनुसंधान केंद्रों का सृजन हुआ है। भारत - रूस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, जिसकी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली तथा मॉस्को में एक-एक शाखा है, की स्थापना प्रौद्योगिकियों के अंतरण और उनके वाणिज्यीकरण को बढ़ावा देने के लिए 2011-12 में की गई थी।

अक्टूबर 2013 में, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षत्र में तथा जैव प्रौद्योगिकी में संचालित दो नए कार्यक्रम सक्रिय तंत्र बन गए हैं; ये 2014 में 11 संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के पहले बैच की सहायता कर चुके हैं। दिसंबर 2014 में, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद तथा रूसी बुनियादी अनुसंधान केंद्र ने स्वास्थ्य अनुसंधान में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 8 मई 2015 को, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी एस टी) तथा रूसी विज्ञान प्रतिष्ठान ने बुनियादी एवं अन्वेषणात्मक अनुसंधान की सहायता के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किया। 16वीं वार्षिक शिखर बैठक के दौरान सी-डैक, भारतीय विज्ञान संस्थान (बंगलौर) और मास्को राज्य विश्वविद्यालय ने हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग में सहयोग के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किया है।

सांस्कृतिक सहयोग :

रूस में भारतीय अध्ययन की एक सुदृढ़ परंपरा है। भारतीय दूतावास, मॉस्को में जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र (जे एन सी सी) रूस की अग्रणी संस्थाओं के साथ निकट संबंध बना कर रखता है जिनमें दर्शन संस्थान, मॉस्को, रसियन स्टेट यूनिवर्सिटी फॉर ह्यूमेनिटीज, मॉस्को, प्राच्य अध्ययन संस्थान, मॉस्को, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी का एशियाई एवं अफ्रीकी अध्ययन संस्थान, सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय का अंतरराष्ट्रीय संबंध विद्यापीठ, कजान फेडरल विश्वविद्यालय, कजान और फार ईस्टर्न नेशनल यूनिवर्सिटी, व्लाडीवोस्टक, रूसी सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान, क्रासनोडार, इंस्टीट्यूट ऑफ ओरिएंटल मनुस्क्रिप्ट (सेंट पीटर्सबर्ग), पीटर दि ग्रेट म्यूजियम ऑफ एंथ्रोपोलाजी एवं एंथ्रोग्राफी (कंस्टकामेरा) शामिल हैं। दर्शन संस्थान, मॉस्को में भारतीय दर्शन संबंधी एक महात्मा गांधी पीठ है। अग्रणी विश्वविद्यालयों और स्कूलों सहित लगभग 20 रूसी संस्थाएं 1500 छात्रों को नियमित रूप से हिंदी पढ़ाते हैं। हिंदी के अलावा, रूसी संस्थाओं में तमिल, मराठी, गुजराती, बंगाली, उर्दू, संस्कृत और पाली जैसी भाषाएं भी पढ़ाई जाती हैं। रूसी लोगों के बीच भारतीय नृत्य, संगीत, योग और आयुर्वेद के प्रति आम तौर पर रुचि है। जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र प्रति माह लगभग 500 छात्रों के लिए योग, नृत्य, संगीत और हिंदी की कक्षाएं संचालित करता है।

भारत एवं रूस के बीच जन दर जन संपर्कों को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से सांस्कृतिक पहलें की जाती हैं जिसमें एक - दूसरे की संस्कृति के वर्षों का आयोजन शामिल है। भारत के राष्ट्रपति ने 10 मई 2015 को मास्को में भारतीय संस्कृति वर्ष "नमस्ते भारत" का उद्घाटन किया। "नमस्ते भारत" के अंग के रूप में वर्ष 2015 में रूस के विभिन्न भागों में 8 शहरों में 15 परफार्मेंस की योजना बनाई गई है। 21 जून, 2015 को, रूस में 60 से अधिक क्षेत्रों को शामिल करते हुए तथा 250 से अधिक कार्यक्रमों के साथ पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई डी वाई) मनाया गया जिसमें लगभग 45000 योग उत्साहियों ने भाग लिया।

भारतीय समुदाय :

रूसी संघ में भारतीय समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 30,000 है। इसके अतिरिक्त, भारतीय मूल के लगभग 1500 अफगान नागरिक रूस में रहते हैं। रूस में लगभग 500 भारतीय व्यवसायी रहते हैं जिनमें से लगभग 200 व्यवसायी मॉस्को में काम करते हैं। अनुमानत: 300 पंजीकृत कंपनियां रूस में काम कर रही हैं। रूस में अधिकांश

भारतीय व्यवसायी/कंपनियां व्यापार में लगी हुई हैं जबकि कुछ भारतीय बैंकों, दवा कंपनियों, हाइड्रोकार्बन और इंजीनियरिंग कंपनियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन कंपनियों द्वारा भारत से आयात किए जा रहे उत्पादों में चाय, कहवा, तम्बाकू, औषधियां, चावल, मसाले, चमड़े के जूते-चप्पल, ग्रेनाइट, आईटी और परिधान शामिल हैं। रूसी संघ में चिकित्सा एवं तकनीकी संस्थाओं में लगभग 4500 भारतीय छात्र नामांकित हैं। उनमें से लगभग 90 प्रतिशत रूस भर के लगभग 20 विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में चिकित्सा की पढ़ाई करते हैं। 'हिंदुस्तानी समाज' रूस में 1957 से कार्यरत सबसे पुराना भारतीय संगठन है। मॉस्को के अन्य भारतीय संगठनों में इंडियन बिजनेस अलायंस, ओवरसीज बिहार एसोशिएसन, एएमएमए (ऑल मॉस्को मलयाली समाज), डीआईएसएचए (इंडिया-रशिया फ्रेंडसिप सोसाइटी), टेक्सटाइल बिजनेस अलायंस, भारतीय सांस्कृतिक समाज और रामकृष्ण सोसायटी वेदांत केंद्र शामिल हैं। मॉस्को का एम्बेसी ऑफ इंडिया स्कूल नई दिल्ली के केंद्रीय विद्यालय संगठन से संबद्ध है जिसमें भारत से शिक्षक प्रतिनियुक्त किए गए हैं। इस स्कूल में I से XII तक की कक्षाएं चलती हैं और इसमें लगभग 350 छात्र हैं।

उपयोगी संसाधन :

वेबसाइट :	http://www.indianembassy.ru/
फेसबुक :	https://www.facebook.com/pages/Embassy-of-IndiaMoscow/197401990302621
	https://www.facebook.com/pages/JNCC/853834594635239
	https://www.facebook.com/Commerce-Wing-Indembassy-Moscow-1042821049081063/
Vkontakte:	https://vk.com/jncc_moscow
ट्विटर :	https://twitter.com/indembmoscow
प्रकाशन :	INDISKY VESTNIK
	http://www.indianembassy.ru/index.php/en/indiskiy-vestnik
	अर्थ एवं वाणिज्य न्यूजलेटर :
	http://www.indianembassy.ru/downloads/economic/2015-10-30-e-c-newsletter-Sept-Oct%202015.pdf

***